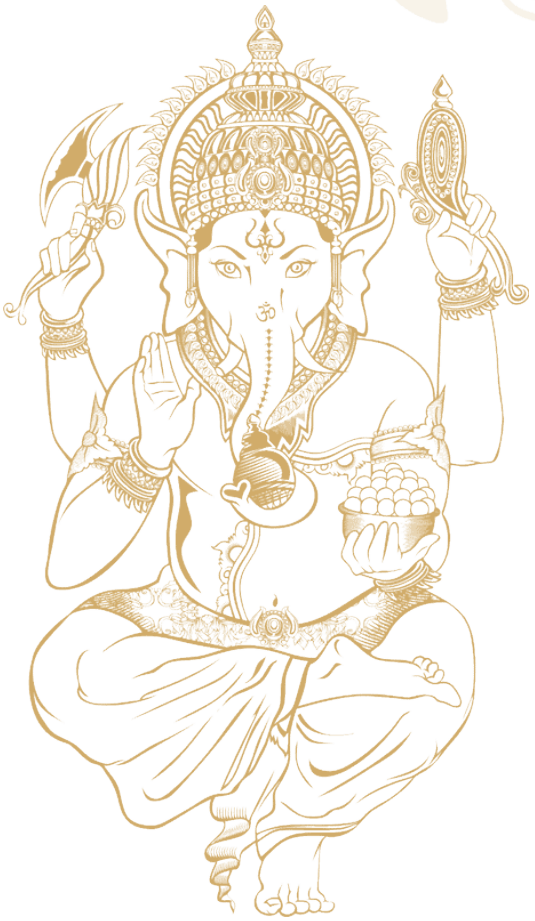

Mr.

26 Oct 1983

08:48 PM

Hindaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121513103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/10/1983**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:48:00 घंटे**
इष्ट	35:51:37 घटी
स्थान	**Hindaun**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:44:00 उत्तर
रेखांश	77:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:26:08 घंटे
वेलान्तर	00:15:58 घंटे
साम्पातिक काल	22:43:52 घंटे
सूर्योदय	06:27:21 घंटे
सूर्यास्त	17:44:18 घंटे
दिनमान	11:16:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:00:22 तुला
लग्न के अंश	00:24:09 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:24:09	340:12:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			तुला	09:00:22	00:59:50	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			मिथु	06:40:08	13:38:11	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	22:43:58	00:36:23	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	06:20:24	01:40:26	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	17:41:48	00:11:55	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	22:46:45	00:55:27	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि		अ	तुला	13:03:14	00:07:14	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	उच्च राशि
राहु			वृष	23:01:44	00:01:11	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	23:01:44	00:01:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	13:35:17	00:03:12	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
नेप			धनु	03:27:33	00:01:30	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	05:57:51	00:02:25	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	15:45:43	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:33

लग्न-चलित

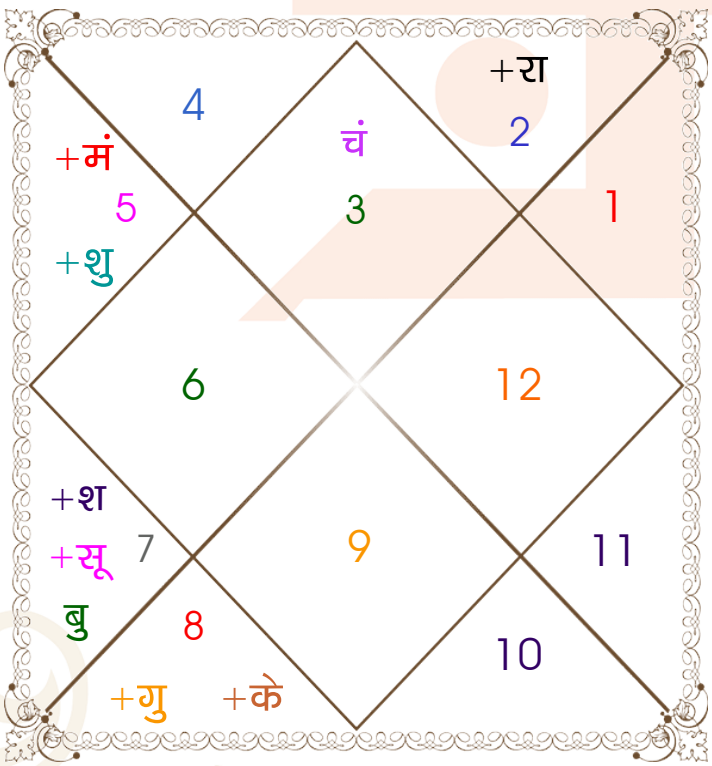

चन्द्र कुंडली

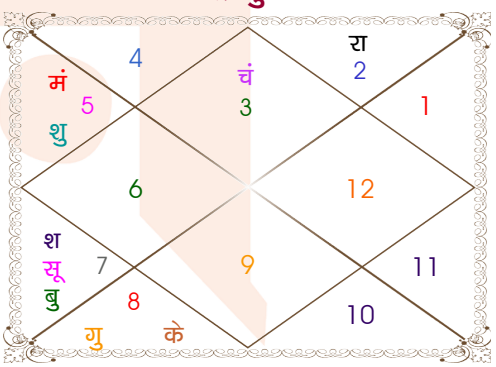

नवमांश कुंडली

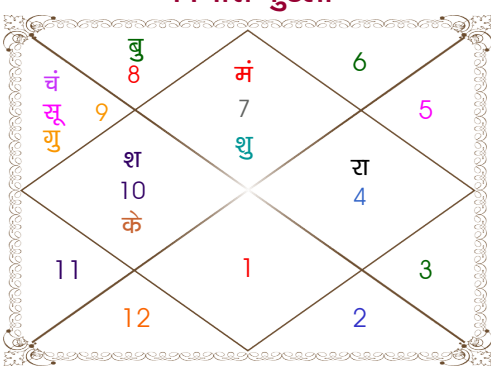

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 11 मास 29 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/10/1983		25/10/2001		25/10/2017		25/10/2036		25/10/2053	
25/10/2001		25/10/2017		25/10/2036		25/10/2053		25/10/2060	
राहु	08/07/1986	गुरु	13/12/2003	शनि	28/10/2020	बुध	23/03/2039	केतु	23/03/2054
गुरु	30/11/1988	शनि	25/06/2006	बुध	08/07/2023	केतु	19/03/2040	शुक्र	23/05/2055
शनि	07/10/1991	बुध	30/09/2008	केतु	16/08/2024	शुक्र	18/01/2043	सूर्य	28/09/2055
बुध	25/04/1994	केतु	06/09/2009	शुक्र	16/10/2027	सूर्य	25/11/2043	चंद्र	28/04/2056
केतु	14/05/1995	शुक्र	07/05/2012	सूर्य	27/09/2028	चंद्र	25/04/2045	मंगल	24/09/2056
शुक्र	14/05/1998	सूर्य	23/02/2013	चंद्र	29/04/2030	मंगल	22/04/2046	राहु	13/10/2057
सूर्य	07/04/1999	चंद्र	25/06/2014	मंगल	07/06/2031	राहु	09/11/2048	गुरु	19/09/2058
चंद्र	06/10/2000	मंगल	01/06/2015	राहु	13/04/2034	गुरु	15/02/2051	शनि	28/10/2059
मंगल	25/10/2001	राहु	25/10/2017	गुरु	25/10/2036	शनि	25/10/2053	बुध	25/10/2060

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/10/2060		25/10/2080		25/10/2086		25/10/2096		26/10/2103	
25/10/2080		25/10/2086		25/10/2096		26/10/2103		00/00/0000	
शुक्र	24/02/2064	सूर्य	11/02/2081	चंद्र	25/08/2087	मंगल	23/03/2097	राहु	27/10/2103
सूर्य	23/02/2065	चंद्र	13/08/2081	मंगल	26/03/2088	राहु	10/04/2098		00/00/0000
चंद्र	25/10/2066	मंगल	19/12/2081	राहु	24/09/2089	गुरु	17/03/2099		00/00/0000
मंगल	25/12/2067	राहु	12/11/2082	गुरु	24/01/2091	शनि	26/04/2100		00/00/0000
राहु	25/12/2070	गुरु	01/09/2083	शनि	25/08/2092	बुध	23/04/2101		00/00/0000
गुरु	25/08/2073	शनि	13/08/2084	बुध	24/01/2094	केतु	19/09/2101		00/00/0000
शनि	25/10/2076	बुध	19/06/2085	केतु	25/08/2094	शुक्र	19/11/2102		00/00/0000
बुध	25/08/2079	केतु	25/10/2085	शुक्र	25/04/2096	सूर्य	27/03/2103		00/00/0000
केतु	25/10/2080	शुक्र	25/10/2086	सूर्य	25/10/2096	चंद्र	26/10/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।